निदेशकों की रिपोर्ट

आशा महिला मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड के सदस्यों के लिएः–

निदेशकों को 31 मार्च 2020 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए आशा महिला मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड (कम्पनी) के अंकेक्षित खातों के साथ पाँचवीं वर्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

कम्पनी का निगमन, एक उत्पादक कम्पनी के रूप में 21 मार्च 2016 को कम्पनी अधिनियम 1956 के भाग XIA के प्रावधानों के तहत राजस्थान राज्य में सदस्यों के दुग्ध का संग्रहण, क्रय तथा प्रसंस्करण करने एवं उनके विपणन तथा इससे जुड़ी सभी प्रकार की प्रासंगिक गतिविधियों के लिए किया गया था।

वित्तीय परिणाम (Financial Results)

31 मार्च 2020 को समाप्त हुई अवधि के लिए कम्पनी का वित्तीय प्रदर्शन संक्षिप्त में निम्न प्रकार है–

(राशि लाखों में)

विवरण	31 मार्च 2020 को समाप्त हुए वर्ष के लिए	31 मार्च 2019 को समाप्त हुए वर्ष के लिए
परिचालन से आय	7,323.23	3,938.94
अन्य आय	12.46	7.67
कुलआय	7,335.69	3,946.61
माल की लागतसहित व्यय	7,134.62	3,903.24
पूर्व अवधि के समायोजन और कर से पूर्वलाभ	201.06	43.37
पूर्व की अवधि के समायोजन–आय	(3.79)	3.43
कर से पूर्व अवधि का लाभ/(हानि)	197.27	46.80
कर हेतु प्रावधान	32.70	8.85
कर के बाद अवधि का लाभ/(हानि)	164.57	37.95

कम्पनी के परिचालन का विवरण (State Of The Company's Affairs)-

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान परिचालन से कुल राजस्व पिछले वर्ष की तुलना में 3,938.94 लाख से बढ़कर 7,323.23 लाख हो गया, इस प्रकार इसमें 86 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पिछले वर्ष के कुल व्यय रूपये 3,903.24 लाख की तुलना में बढकर 7,134.62 लाख रूपये रहे हैं। कर के बाद लाभ पिछले वर्ष में 37.95 लाख की तुलना में बढकर 164.57 लाख रुपये हो गया हैं।

सीमित लाभांश (Dividend)

निदेशक मण्डल ने रूपये 7/– (सात रूपये मात्र) प्रति समता अंश की दर से कुल रूपये 9,10,378/– (नौ लाख दस हजार तीन सौ अठहत्तर रूपये मात्र) सीमित लाभांश (डिविडेंड) की राशि देने की अनुशंसा की है। सीमित लाभांश (डिविडेंड) का भुगतान केवल उन्हीं सदस्यों को किया जायेगा जिनका नाम 31 मार्च 2020 को कम्पनी के सदस्यता रजिस्टर में पंजीकृत है।

सामान्य संचय में हस्तान्तरण (Transfer to General Reserve)

कम्पनी के अन्तर्नियम के अनुच्छेद 11.10 के साथ कम्पनी अधिनियम, 1956 की सपठित धारा 581ZI के प्रावधानों के अनुसार निदेशक मण्डल ने कर पश्चात लाभों में से रूपये 1,55,46,572/–(अक्षरे एक करोड़ पचपन लाख छियालीस हजार पांच सौ बहत्तर रूपये मात्र) की राशि को चिठ्ठे में सामान्य संचय में क्रेडिट के लिए हस्तान्तरण करने का प्रस्ताव दिया है।

परिचालन की समीक्षा (Review of Operations) -

दुग्ध संकलन (Milk Procurement)

कम्पनी दुग्ध संकलन का परिचालन एक एमसीसी (दुग्ध शीतलन केंद्र) और एक बीएमसी (थोक दुग्ध शीतलक) लोकेशन के माध्यम से राजस्थान राज्य के पाली और सिरोही जिले में 31 मार्च 2020 तक 207 एमपीपी (दुग्ध संकलन केंद्रों) की स्थापना करके कर रही है जिसमें 204 गांव आते हैं। वर्ष के दौरान, कम्पनी ने 148.27 लाख लीटर कच्चे दुग्ध का संकलन किया है।वित्तीय वर्ष के समापन पर कंपनी के 10,604 सदस्य थे। संदस्यों ने कंपनी कार्य में अपना भरोसा जताया है। यह स्वस्थ संकेतक भविष्य में कपनी के विकास की कहानी का शुभारम्भ है जो आने वाले वर्षों में अधिकाधिक सदस्यों के आपसी सहयोग से और उंचाई पर जायेगा।

कंपनी ने दुग्ध की नियमित आपूर्ति हेतु प्रोत्साहित करने के लिए सदस्यों को 27.44 / – लाख रूपये की प्रोत्साहन राशि का भुगतान किया है। जहाँ तक खरीद मूल्यों का सम्बन्ध है, कम्पनी अपने द्वारा आपूर्ति किए जा रहे दुग्ध के प्रति अपने सदस्यों को प्रतिस्पर्धात्मक मूल्य का भुगतान करती रही है।

कम्पनी लगातार, लॉजिस्टिक्स लागत को कम कर, बेहतर पर्यवेक्षण, गुणवत्ता जाँच और बेहतर लॉजिस्टिक नियंत्रण आदि के माध्यम से कार्यकुशलता में वृद्धि कर अपने सदस्यों से दुग्ध संकलन और उत्पादकता को अधिकतम करने का प्रयास कर रही है।

उत्पादकता वृद्धि सेवाएँ (Productivity Enhancement Services)-

राशन बैलेंसिंग प्रोग्राम (Ration Balancing Programme)-

कम्पनी के परिचालन क्षेत्र में, उत्पादक पुरानी आहार / चारा प्रथाओं का पालन कर रहे हैं। पशुओं की आवश्यकता के अनुसार बेहतर आहार / भोजन पद्धतियों को प्रोत्साहित करने के लिए कम्पनी ने राशन बैलेंसिंग प्रोग्राम को अपनाया है। उक्त कार्यक्रम के तहत दुग्ध उत्पादकों को पशुओं के लिए संतुलित आहार खिलाने की सलाह दी जाती है, जिसे सॉफ्टवेयर की मदद से तैयार किया गया है। दुग्ध उत्पादकों को सलाह दी जाती है कि वे अपने पास उपलब्ध खाद्य सामग्रीं का उपयोग करके संतुलित आहार दें, जिससे दुग्ध उत्पादन और पशु स्वास्थ्य में वृद्धि होगी तथा दुग्ध उत्पादन लागत में कमी आयेगी। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान राशन बैलेंसिंग प्रोग्राम के तहत 1,447 नए मवेशियों को शामिल किया गया है।

कृत्रिम गर्भाधान (AI) सेवाएँ (Artificial Insemination (AI) Services)-

कम्पनी ने प्रशिक्षित कृत्रिम गर्भाधान कार्यकत्ताओं के माध्यम से किसानों के लिए गुणवत्ता युक्त कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं को लागू किया है, ताकि दुधारू पशुओं की उत्पादकता में वृद्धि के साथ – साथ कम लागत में दुग्ध उत्पादन बढ़ सके, जिसके फलस्वरूप दुग्ध उत्पादकों की आय में वृद्धि की जा सके।

इस कार्यक्रम हेतु कम्पनी द्वारा ग्रामीण स्तर पर युवकों का चयन के पश्चात NDDB के प्रशिक्षण केन्द्रों में कृत्रिम गर्भाधान सेवा का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। कृत्रिम गर्भाधान की दिनांक से 21 दिनों के बाद पशु की पुनः गर्मी की जाँच, 90 दिनों के बाद गर्भधारण की जाँच एवं ब्याने तक का विवरण ईनाफ सॉफ्टवेयर (INAPH Software) में सुरक्षित रखा जाता है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कम्पनी ने अपने दुग्ध उत्पादकों के लिए लगभग 6,169 AI की है। (प्रथम AI फौलोअप में 48 प्रतिशत की गर्भाधान दर की निरन्तरता)

बाँझपन उपचार शिविर (INFERTILITY TREATMENT CAMPS)-

चूंकि बाँझपन पशुपालन को लाभदायक व्यवसाय बनाने में एक बड़ी बाधा है, इसलिए कम्पनी अपने परिचालन क्षेत्र में बाँझपन उपचार शिविरों का आयोजन कर रही है। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, कम्पनी ने 199 बाँझपन उपचार शिविरों में 1979 मवेशियों का परीक्षण किया। जाँचे गए मवेशियों में से 1263 मवेशियों को एनेस्ट्रेस (anestrous) से पीड़ित पाया गया, जिसके लिए उचित उपचार दिया गया है और कुल 487 मवेशी ठीक हो गए हैं।

कैलिफोर्निया मास्टिटिस टेस्ट (California Mastitis Test -CMT):-

मास्टिटिस, एक संभावित घातक स्तन ग्रंथि संक्रमण दुनिया भर में डेयरी मवेशियों में सबसे आम बीमारी है। यह डेयरी उद्योग के लिए सबसे महंगी बीमारी भी है। इसलिए समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कम्पनी ने दुधारू पशुओं के लिए कुल 7014 सीएमटी (कैलिफोर्निया मास्टिटिस टेस्ट) आयोजित करवाए। परीक्षण किए गए कुल मवेशियों में से 108 मवेशी उक्त बीमारी से ग्रसित पाए गए, जिनका इलाज कर ठीक किया गया।

पशु आहार (Cattle Feed)

कम्पनी ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान पिछले वर्ष 613 मैट्रिक टन की तुलना में 1,197 मैट्रिक टन पशु आहार का विक्रय किया जो कि 95 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

खनिज मिश्रण (Mineral Mixture)–

कम्पनी ने परिचालन क्षेत्र में उपलब्ध चारे, जलवायु और खिलाने की आदतों को ध्यान में रखते हुए अपने ब्रांड नाम के तहत खनिज मिश्रण विकसित किया है और स्वास्थ्य, दुग्ध उत्पादन और दुधारू पशुओं के प्रजनन में सुधार के लिए उत्पादकों को प्रतिस्पर्धी मूल्य पर उपलब्ध करा रही है। कम्पनी ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान पिछले वर्ष 6,857 किलो की तुलना में 8,659 किलो खनिज मिश्रण का विक्रय किया, जो कि 26 प्रतिशत अधिक है।

ज्वार का साईलेज (Sorghum Silage)-

श्रेष्ठ चारा अभ्यासों को प्रोत्साहित करने के लिए कंपनी अपने सदस्यों को प्रतिस्पर्धात्मक दर पर ज्वार के साईलेज प्रदान कर रही है। सदस्यों इसमें बहुत रूचि दिखा रहे हैं जिसके परिणामस्वरूप कंपनी द्वारा समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 291 बैगों का वितरण किया गया है।

चाफ कटर (Chaff Cutter)

परिचालन क्षेत्र में उत्पादक परम्परागत चारा खिलाने के अभ्यासों का अनुसरण कर रहे हैं क्योंकि उनके पास जो चारा होता है उसे वे छोटे–छोटे टुकडों में काटे बिना ही पशुओं को खिला देते है जिसकी वजह से पशु उस पूरे भूसे को नहीं खा पाते हैं और अधिकांश चारा व्यर्थ चला जाता है। इसलिए कंपनी ने अपने परिचालन क्षैत्र में चाफ कटर का वितरण शुरू किया है और अपने सदस्यों को 45 चाफ कटर का वितरण किया है। कंपनी इसे अपने सदस्यों को नियमित रूप से लागत पर ही उपलब्ध करवाने की व्यवस्था करती रहेगी।

कैल्सियम (Calcium)

कंपनी ने उत्पादकता संवर्धन सेवाओं के माध्यम से पशुपालन को किसानों के लिए और अधिक लाभदायक व्यवसाय बनाने के हेतु चौथी वार्षिक आम सभा में "आशा चिलेटेड डबल स्ट्रेंथ केल्सियम" शुरू किया है। कैल्सियम शरीर में प्रमुख खनिज है जो हड्डियों और दांतों में 98 प्रतिशत उपस्थित रहता है। कैल्सिमय अधिकतम दुग्ध उत्पादन और विकास दर के लिए भी अतिआवश्यक है। कैल्सियम हड्डी का प्रमुख तत्व है और इसलिए महत्वपूर्ण है परन्तु युवा पशुओं के विकास के लिए इसे नजरंदाज कर दिया जाता है और कैल्सियम उचित मात्रा में नहीं मिलता है तो वृद्धि की दर धीमी हो जाती है। कैल्सियम की कम मात्रा से रिकेट्स, कमजोर ढांचा और हड्डियों के टूटने की भी संभावना रहती है।

गुणवत्ता हेतु पहल (Quality Initiative)

उपयोग किये जा रहे दुग्ध शीतलन केंद्र (एमसीसी) और थोक दुग्ध शीतलक (बीएमसी) कच्चे दुग्ध की गुणवत्ता को जांचने के लिए पूर्ण रूप से आधारभूत जांच सुविधाओं और उपकरणों से सुसज्जित हैं। एफएसएसएआई के संशोधित दिशा–निर्देशों के अनुसार एमसीसी स्तर पर मिलावट की जांच और एंटीबायोटिक जांच की नई प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। कंपनी के परिचालन में गुणवत्ता के उच्च स्तर को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी सभी जुड़े उन सभी पक्षकारों को साफ–सफाई पर जोर देते हुए तकनीकी सहयोग और प्रशिक्षण प्रदान कर रही है जो दुग्ध की गुणवत्ता से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए है। ग्रामीण स्तर पर दुग्ध के साफ उत्पादन को सुनिश्चित करने के लिए 100 स्वच्छ दुग्ध उत्पादन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का ग्राम स्तर पर आयोजन किया गया जिसमें 3213 सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया।

उत्पादक संस्था निर्माण (Producer Institution Building -PIB)-

पीआईबी बेहतर प्रशासन विधि और सदस्य केंद्रित दृष्टिकोण के जरिए कारोबार को मजबूत करता है। कम्पनी के कारोबार में सदस्यता और सदस्य भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रयास किए गए हैं जिसके परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था बेहतर हो सके।

पीआईबी गतिविधियाँ मुख्य रूप से अपनी खुली एवं पारदर्शी शासन विधियों और उनके संरक्षण के अनुपात में इक्विटी के प्रति सदस्य के योगदान के माध्यम से डेयरी क्षेत्र के अन्य प्रतियोगियों से प्रोड्यूसर कम्पनी को अलग करती हैं।

एमपीसी कोर डिजाइन सिद्धांत (MPC's Core Design Principles)-

कोर डिजाइन सिद्धांतों का सख्ती से पालन किया जाता है। व्यावसायिक गतिविधियों को केवल महिला सदस्यों के साथ प्रतिबंधित किया गया है। सक्रिय उपयोगकर्ता सदस्यता की व्यवसाय एवं प्रशासन विधि में भागीदारी को सदस्य शिक्षा और जागरूकता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रोत्साहित किया गया है। इसके परिणामस्वरूप अधिकांश सक्रिय सदस्यों ने वर्ष के दौरान मैचिंग शेयर कैपिटल में अंशदान को पूरा किया है।

ग्राम स्तर पर विलेज कॉन्टैक्ट ग्रुप (वीसीजी) नाम के अनौपचारिक समूहों के गठन के माध्यम से सदस्य संचार और शिकायत निवारण के लिए उपयुक्त तंत्र शुरू किया गया जो सदस्यों और कम्पनी के बीच पारस्परिक संचार सुनिश्चित करने के लिए सामयिक आधार पर मिलते हैं, जिससे सदस्यों की शिकायतों का समाधान हो सके। कर्मचारियों की व्यवहार्यता और आत्म–निर्वाह को सुनिश्चित करने के लिए तथा व्यवसायिक परिचालन के कुशलतापूर्वक प्रबन्धन और उच्च श्रेणी की अर्थव्यवस्था को प्राप्त करने के लिए व्यवहार और प्रेरक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है।

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम (Training & Capacity Building Programs:)–

सदस्यों को डेयरी से सम्बन्धित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों पर प्रशिक्षण दिया गया, ताकि वे अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को समझ सकें। वर्ष 2019–20 के दौरान आयोजित प्रमुख प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्न थे –

क्रम सं.	प्रशिक्षण कार्यक्रम	आयोजित प्रशिक्षण कार्यकर्मों की संख्या	प्रशिक्षित प्रतिभागियों की संख्या
1.	निदेशक मंडल के लिए वार्षिक उन्मुखीकरण कार्यक्रम	1	8
2.	निदेशक मंडल के सदस्यों के लिए शैक्षिक भ्रमण	1	6
3.	कर्मचारियों के लिए वार्षिक उन्मुखीकरण कार्यक्रम	9	131
4.	कर्मचारियों के लिए रिफ्रेशर कार्यक्रम	4	30
5.	उत्पादक जागरूकता कार्यक्रम	127	4235
6.	गुणवत्तायुक्त एवं स्वच्छ दुग्ध उत्पादन कार्यक्रम	100	3213
7.	ग्रामीण स्कूली बच्चों का जागरूकता कार्यक्रम	5	367
8.	ग्रामीण युवा जागरूकता कार्यक्रम	3	135
9.	एमआरजी उन्मुखीकरण कार्यक्रम	5	87
10.	कर्मचारियों के लिए वार्षिक उन्मुखीकरण कार्यक्रम	1	10
11.	दुग्ध उत्पादकों के लिए डेयरी प्रबंधन प्रशिक्षण	38	1129
12.	उत्पादकों के लिए किसान कार्यशाला	27	758
13.	नेतृत्व विकास कार्यक्रम	1	25

वित्तीय वर्ष समाप्त होने के पश्चात महत्वपूर्ण परिवर्तन (Material Changes after Closure of Financial Year)–

रिपोर्ट प्रस्तुत करने की तारीख तक ऐसे कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन या प्रतिबद्धतायें नहीं हैं 31 मार्च 2020 को समाप्त वित्तीय वर्ष के पश्चात कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करते हों। नियामक एवं न्यायालय द्वारा ऐसे कोई भी ऐसे महत्वपूर्ण नियम / कानून पारित नहीं किये गये हैं भविष्य में कंपनी के परिचालन को प्रभावित करते हो।

व्यवसाय की प्रकृति में परिवर्तन (Change in Nature of Business)–

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कम्पनी के व्यवसाय की प्रकृति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।

शेयर कैपिटल और सदस्यता (Share Capital and Membership)–

कंपनी की 31 मार्च, 2020 को 100/– रूपये प्रति समता अंश मूल्य के 1,30,054 अंशों की कुल प्रदत्त अंश पूंजी 130.54 लाख रूपये थी जिसमें 10,604 सदस्य थे। 31 मार्च 2020 के बाद कंपनी 2096 नये सदस्यों का पंजीकरण किया है जिन्हें 49.13 लाख रूपये की अंश पूंजी आवंटित की है इसलिए आज इस रिपोर्ट की दिनांक तक सदस्यों की कुल संख्या 12,700 और अंश पूंजी 179.19 लाख रूपये है।

वोट देने का अधिकार एवं वार्षिक आम सभा में उपस्थिति (Voting Rights and Attendance at AGM)–

वे दुग्ध उत्पादक, जो इस रिपोर्ट की दिनांक को सदस्य थे, वार्षिक आम सभा में भाग ले सकेंगे। वोट का अधिकार हर उस सदस्य को होगा, जिसने वित्तीय वर्ष 2019–20 में कम से कम 200 दिन और 500 लीटर दुग्ध की आपूर्ति की हो।

निदेशक मण्डल (Board of Directors)-

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान श्री बलजिंदर सिंह को 4 जुलाई, 2019 से दो वर्ष की अवधि के लिए कम्पनी का विशेषज्ञ निदेशक पुनर्नियुक्त किया गया है। श्रीमति कन्या एवं श्रीमति लक्ष्मी कुमारी को क्रमशः 13 जून 2019 व 07 जनवरी 2020 से अतिरिक्त निदेशक नियुक्त किया गया है।

कम्पनी के अंतर्नियमों के अनुच्छेद 9.6 के संदर्भ में श्रीमती सागर कंवर और श्रीमती सीता कंवर आगामी वार्षिक आम सभा में सेवानिवृत होंगी। श्री ब्रजेश नारायण सिंह का कार्यकाल 19 जुलाई 2020 को समाप्त हो गया है और श्रीमति रचना देवधर गोयल को दिनांक 24 सितंबर 2020 से कंपनी का विशेषज्ञ निदेशक नियुक्त किया गया है।

बोर्ड के सदस्यों का प्रशिक्षण (Training of Board Members)-

वर्ष के दौरान कंपनी के निदेशकों के लिए एक कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिससे वे दुग्ध उत्पादक कंपनी के मूलभूत लेखांकन को समझ सकें, जिसमें उन्होनें आय के विवरण और चिठ्ठे का मूल्यांकन करने के बारे में सीखा। इस कार्यक्रम ने कंपनी के कार्यों के बारे में उनके ज्ञान में वृद्धि की जिससे वे अपने नेतृत्व करने की भूमिका को और अधिक सम्मिलित और सूचित होकर निभा सकें। उन्होंने पंजाब की बानी दुग्ध उत्पादक कंपनी का दौरा भी किया।

निदेशकों के दायित्व सम्बन्धी विवरण (Directors' Responsibility Statement)–

कम्पनी अधिनियम, 1956 ("अधिनियम") की धारा 217 के अनुसार, कम्पनी के निदेशक इसकी पुष्टि करते हैं –

क. वार्षिक लेखे तैयार करते समय कंपनी द्वारा लागू होने वाले लेखांकन मानकों का उचित अनुपालन किया गया है।

ख. निदेशकों ने ऐसी लेखांकन नीतियों का चयन कर उन्हें निरन्तर लागू किया है तथा ऐसे निर्णय और अनुमानों का प्रयोग किया है जो इतने तर्कसंगत और उपयुक्त हैं कि वित्तीय वर्ष के अन्त में कम्पनी के कारोबार की स्थिति तथा इस अवधि के दौरान कम्पनी के लाभ का सही एवं उचित दृश्य प्रस्तुत कर सके।

ग. कम्पनी की सम्पत्तियों की सुरक्षा के साथ छल–कपट/धोखेबाजी को रोकने तथा बचाव हेतु इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार निदेशकों ने सही लेखे तैयार करने तथा उनके रख–रखाव के लिए आवश्यक, पर्याप्त एवं उचित सावधानी रखी है।

घ. निदेशकों ने वार्षिक लेखे प्रगतिशील प्रतिष्ठान के आधार पर तैयार किये हैं।

अंकेक्षक (Auditors)-

मैसर्स कालानी एण्ड कम्पनी, चार्टर्ड एकांउटेंट्स, जयपुर, वैधानिक अंकेक्षकों का कार्यकाल आगामी पांचवीं वार्षिक आम सभा को समाप्त हो रहा है तथा उनकी योग्यता की पुष्टि होने के बाद उनकी पुनर्नियुक्ति का प्रस्ताव रखा है। निदेशक मण्डल मैसर्स कालानी एण्ड कम्पनी, चार्टर्ड एकांउटेंट्स, जयपुर को वैधानिक अंकेक्षक के रूप में आगामी वार्षिक आम सभा में पुनर्नियुक्ति की अनुशंसा करते हैं।

आंतरिक नियंत्रण प्रणाली तथा अंकेक्षण (Internal Control System and Audit)-

कम्पनी में संपत्तियों की सुरक्षा के लिये तथा सभी प्रकार के व्यवहारों को अधिकृत करने, दर्ज करने तथा सही सूचना देने के लिये सही तथा उचित आंतरिक नियंत्रण पद्धति विद्यमान है। मैसर्स रे एण्ड रे चार्टर्ड एकाउन्टेंटस को स्वतंत्र रूप से कम्पनी का आंतरिक अंकेक्षक नियुक्त किया गया है जोकि स्वतंत्र रूप से कम्पनी की आँतरिक नियंत्रण पद्धति की औचित्यता की समीक्षा करने के साथ–साथ नियमित रूप से कम्पनी के खातों एवं व्यवहारों का अंकेक्षण करते रहते है।

मानव संसाधन (Human Resource) –

कम्पनी से सम्बंधित लोग कम्पनी की संपत्ति हैं और कम्पनी के प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनके जुनून, प्रतिबद्धता, स्वामित्व की भावना और टीम वर्क ने कम्पनी को विकसित होने में सक्षम बनाया है। कम्पनी हमेशा एक सकारात्मक, सहायक, खुले और उच्च प्रदर्शन कार्य संस्कृति और पर्यावरण की पेशकश करने के लिए प्रयासरत है जहाँ नवाचार को प्रोत्साहित किया जाता है, प्रदर्शन को पहचाना जाता है और कर्मचारियों को अपनी वास्तविक क्षमता का एहसास करने के लिए प्रेरित किया जाता है।

कम्पनी के विजन, मिशन और वैल्यूज (VMV) का पालन कम्पनी के दीर्घकालिक विकास को बनाए रखने के लिए संगठन के सभी स्तरों पर अक्षरशः किया जा रहा है।

सूचना प्रौद्योगिकी (Information Technology) –

सूचना प्रौद्योगिकी कम्पनी के विभिन्न कार्यों को सहायता प्रदान करती हैं और सिस्टम को सुव्यवस्थित और ऑनलाइन बनाने में मदद करती हैं।सूचना प्रौद्योगिकी का मुख्य कार्य परिचालन में दक्षता में सुधार करने, सही सूचना के आधार पर निर्णय लेने और राजस्व बढ़ाने के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकियाँ प्रदान करना है। हमारी कम्पनी में सूचना प्रौद्योगिकी का हस्तक्षेप, सिस्टम को सुव्यवस्थित और ऑनलाइन बना रहा है।

एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज, नई दिल्ली के तकनीकी सहयोग से समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, आईबीपी फैसिलिटेटर्स को सदस्यों के तत्काल पोरिंग डेटा अपडेट रखने के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन "टेब एप्प" लॉन्च किया गया।

कर्मचारियों का विवरण (Particulars of Employees)–

रिपोर्ट के अन्तर्गत वर्ष के दौरान, कम्पनी के किसी भी कर्मचारी को कम्पनी अधिनियम के तहत निर्धारित सीमा के बराबर या उससे अधिक पारिश्रमिक प्राप्त नहीं हुआ।

सुरक्षा और स्वास्थ्य (Safety And Health)–

हमारी कम्पनी अपने कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्यस्थल प्रदान करती है। कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा पर हमेशा ध्यान दिया जाता है, विशेषकर उन लोगों पर जो दुग्ध के सीधे संपर्क में रहते हैं। कर्मचारियों को नियमित चिकित्सा जाँच एवं आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

ऊर्जा संरक्षण, शोध एवं विकास, तकनीकी समावेश, विदेशी विनिमय आय तथा निकासी (Energy Conservation, Technology Absorption & Foreign Exchange Earnings and Outgo)

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 217(1)(E) सपठित नियम 1988 (निदेशक मंडल की रिपोर्ट में विवरणों का प्रकटीकरण) के अनुसार विवरण प्रदान करने की आवश्यकता है।

अ. कम्पनी नियमों के भाग अ तथा ब ऊर्जा संरक्षण तथा तकनीकी समावेश के संबंध में कम्पनी पर लागू नही होते है।

ब. विदेशी विनिमय आय तथा निकासी : आय – शून्य, निकासी – शून्य

निदेशक मंडल की बैठकें (Board Meetings)–

वित्तीय वर्ष 2019–20 के दौरान कम्पनी के निदेशक मण्डल की पाँच (5) बैठकें विधिवत रूप से दिनांक 05.06.2019, 17.07.2019, 17.09.2019, 24.12.2019 और 10.02.2020 को आयोजित की गईं।

ऋण, गारंटी और निवेश का विवरण (Particulars of Loans, Guarantees & Investments) –

यह विवरण 31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों के भाग के रूप में प्रदर्शित है।

सम्बन्धित पक्षकारों के साथ अनुबंध या व्यवस्थाओं का विवरण (Particulars of Contracts or Arrangements with Related Parties)–

सम्बन्धित पक्षकारों के साथ सभी अनुबंध या व्यवहार आर्म्स लैंथ के आधार पर किये गये हैं। अनुबंधों या व्यवहारों का विवरण 31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों के भाग के रूप में नोट संख्या 30 पर दिया गया है।

जोखिम प्रबन्धन नीति (Risk Management Policy)-

आंतरिक लेखा परीक्षक अपनी रिपोर्टों में विभिन्न मुद्दों पर अपना जोखिम आकलन देते हैं और इन रिपोर्टों को बोर्ड के समक्ष रखा जाता है।

जमा (Deposits)–

अधिनियम के प्रावधानों के तहत जमा से सम्बन्धित विवरण के सम्बन्ध में किसी रिपोर्टिंग की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि वित्तीय वर्ष 2019–20 के दौरान कोई जमा नहीं हुए।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण (Internal Financial Control)–

कम्पनी अधिनियम के लागू प्रावधान के अनुसार, कम्पनी के पास उचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणालियाँ मौजूद हैं।

आभार (Acknowledgement)–

निदेशक मण्डल वर्ष के दौरान कम्पनी के सदस्यों, व्यावसायिक सहयोगियों और बैंकरों द्वारा दिए गए योगदान एवं नियमित सहयोग के लिए धन्यवाद देते हैं। निदेशक मण्डल धानी फाउण्डेशन और एनडीडीबी डेयरी सर्विसेज के द्वारा दिए गए उनके सहयोग और प्रोत्साहन के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं।

निदेशक मण्डल कम्पनी के सभी कर्मचारियों, सभी सम्बन्धितों के सहयोग, कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए उनकी सराहना करते हैं, जिनके बिना कम्पनी की सर्वांगीण प्रगति एवं विकास सम्भव नहीं होता।

वास्ते एवं निदेशक मण्डल की ओर से

कन्या
अध्यक्षा एवं निदेशक
डीआईएन: 08480274

दिनांक – 28 अक्टूबर, 2020
स्थानः– उदयपुर